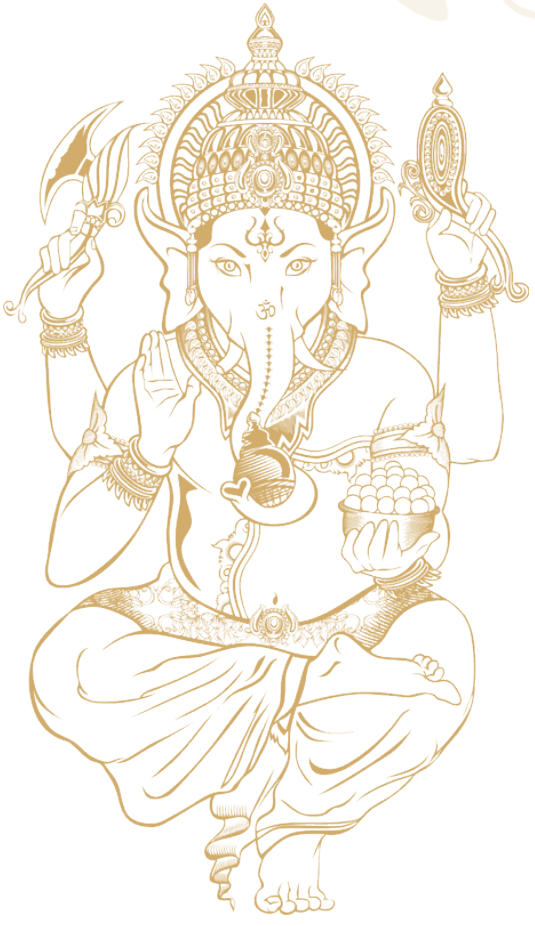

Mr.dipesh

Ms.Dusha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120161203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/03/1998	जन्म तिथि	17-18/01/1998
शनिवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 16:22:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 24:49:36	जन्म समय(घटी)	56:55:16 घटी
India	देश	India
Jaora	स्थान	Indore
23:40:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:10:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:20	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:09	सूर्योदय	07:09:14
18:42:52	सूर्यास्त	18:03:49
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 14वर्ष 11मा 14दि	12:18:57	सिंह	लग्न	धनु	15:40:44	सूर्य 2वर्ष 10मा 18दि
शुक्र	13:43:43	मीन	सूर्य	मक	03:52:11	राहु
12/03/2020	18:16:08	मीन	चंद्र	कन्या	03:35:38	06/12/2017
12/03/2040	24:25:18	मीन	मंगल	कुंभ	00:21:17	06/12/2035
शुक्र 13/07/2023	27:38:20	मीन व	बुध	धनु	13:09:52	राहु 18/08/2020
सूर्य 12/07/2024	18:32:45	कुंभ	गुरु	कुंभ	02:07:29	गुरु 12/01/2023
चन्द्र 13/03/2026	27:14:43	मक	शुक्र व	मक	01:20:24	शनि 18/11/2025
मंगल 13/05/2027	27:29:48	मीन	शनि	मीन	20:39:42	बुध 06/06/2028
राहु 12/05/2030	16:32:41	सिंह व	राहु	सिंह	17:26:38	केतु 25/06/2029
गुरु 10/01/2033	16:32:41	कुंभ व	केतु	कुंभ	17:26:38	शुक्र 24/06/2032
शनि 12/03/2036	17:54:18	मक	हर्ष	मक	14:14:42	सूर्य 19/05/2033
बुध 11/01/2039	07:57:36	मक	नेप	मक	05:45:03	चन्द्र 18/11/2034
केतु 12/03/2040	14:08:58	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:28:05	मंगल 06/12/2035

लग्न-चलित

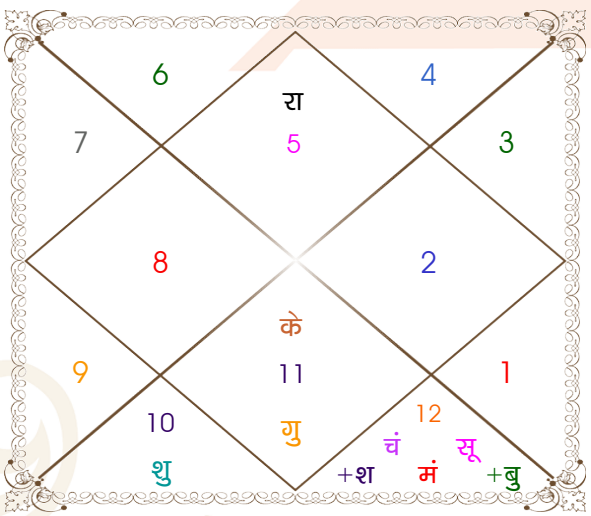

लग्न-चलित

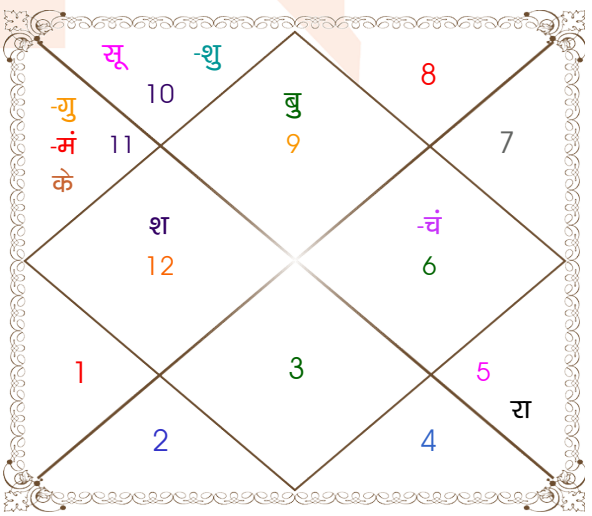

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr.dipesh का वर्ग सर्प है तथा डेण्क्नीं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.dipesh और डेण्क्नीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.dipesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.dipesh कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.dipesh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्क्नीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्क्नीं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.dipesh तथा डेण्क्नीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।